ब्रिटेन: कीर स्टार्मर का इस्तीफ़ा और बिना आम चुनाव प्रधानमंत्री का बदलना

समाचार-संदर्भ तिथि: 22 जून 2026 | प्रकाशन तिथि: 22 अक्टूबर 2026

अंतरराष्ट्रीय राजनीति, ब्रिटेन और संसदीय प्रणाली | समाचार संदर्भ: 22 जून 2026; परिणाम-स्थिति जुलाई 2026 (स्रोत सहित) | प्रकाशित: 22 अक्टूबर 2026

22 जून 2026 को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री **कीर स्टार्मर** ने डाउनिंग स्ट्रीट में घोषणा की कि वे लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफ़ा देंगे; नए नेता के चुनाव तक वे प्रधानमंत्री बने रहेंगे। परंपरा के अनुसार उन्होंने घोषणा से पहले **राजा चार्ल्स III** को सूचित कर दिया था। दो साल पहले (5 जुलाई 2024) ऐतिहासिक बहुमत के साथ सत्ता में आए स्टार्मर ब्रिटेन के **सबसे कम समय तक रहने वाले लेबर प्रधानमंत्री** बन गए (BBC, 22 जून 2026)।

खबरों में क्यों

महीनों से बढ़ते दबाव के बाद यह घोषणा आई। मई 2026 के स्थानीय चुनावों में नाइजेल फ़राज की रिफ़ॉर्म UK पार्टी ने लेबर और कंज़र्वेटिव दोनों को पछाड़ा; मंत्रियों के इस्तीफ़े आए; और जून में **एंडी बर्नहैम** की मेकरफ़ील्ड उपचुनाव जीत — जहाँ उन्होंने रिफ़ॉर्म UK के उम्मीदवार को बड़े अंतर से हराया — स्टार्मर के लिए दबाव का अंतिम उत्प्रेरक बनी (BBC, The Guardian, 22 जून 2026)। स्टार्मर ने कहा कि उनकी संसदीय पार्टी ने पूछा था “क्या मैं अगले आम चुनाव में हमें ले जाने के लिए सर्वोत्तम व्यक्ति हूँ” — और उन्होंने उत्तर स्वीकार कर लिया।

बहुमत से इस्तीफ़े तक: दो वर्ष का पथ

शुरुआत: स्टार्मर अप्रैल 2020 में लेबर नेता चुने गए और जुलाई 2024 के आम चुनाव में पार्टी को 100 वर्षों का सबसे बड़ा संसदीय बहुमत मिला (The Guardian, 22 जून 2026)। एक पूर्व मानवाधिकार वकील के रूप में उनसे स्थिरता की अपेक्षा थी।

दबाव के कारण: पेंशनभोगियों की शीतकालीन ईंधन सब्सिडी में कटौती; कल्याण (वेलफेयर) सुधार पर संसदीय विद्रोह के बाद यू-टर्न; एक महीने में तीन बड़ी नीतियों में पलटाव; और विवादित नियुक्ति — पीटर मैंडलसन को अमेरिका में राजदूत बनाना, जिन्हें सितंबर 2025 में जेफ़्री एपस्टीन से गहरे संबंध उजागर होने पर बर्ख़ास्त करना पड़ा (The Guardian)। BBC के अनुसार इन कारणों से पार्टी के भीतर नेतृत्व पर असंतोष बढ़ता गया।

बाद की स्थिति: जुलाई 2026 में क्या हुआ

22 जून की घोषणा के समय तालिका यह थी — नामांकन 9 जुलाई से, ‘हस्टिंग्स’ 16 जुलाई तक, और एक से अधिक उम्मीदवार होने पर सदस्यता-मतदान के साथ 1 सितंबर तक नया नेता (The Guardian, 22 जून 2026)। वेस स्ट्रीटिंग ने बर्नहैम का समर्थन कर दिया और प्रतिस्पर्धा निकल नहीं पड़ी।

परिणाम: 17 जुलाई 2026 को एंडी बर्नहैम विशेष सम्मेलन में **निर्विरोध** लेबर नेता चुने गए (Reuters, 17 जुलाई; AP, 17 जुलाई 2026)। **20 जुलाई 2026** को स्टार्मर के विदाई भाषण (“मेरा काम पूरा हुआ”) के बाद बर्नहैम ने प्रधानमंत्री पद ग्रहण किया — Reuters के अनुसार एक दशक में ब्रिटेन के **सातवें प्रधानमंत्री**। पहली नियुक्ति: **जॉन हीली** को वित्त मंत्री (चांसलर) — वे जून में स्टार्मर सरकार से रक्षा-खर्च के मुद्दे पर इस्तीफ़ा दे चुके थे; रेचल रीव्स समेत कई स्टार्मर-समर्थक मंत्रिमंडल से बाहर;

एड मिलिबैंड विदेश मंत्री; **शबाना महमूद** गृह मंत्री बनीं रहीं (Reuters, 20 जुलाई 2026)। बर्नहैम की घोषित पहली प्राथमिकता 'रफ़ स्लीपिंग' (खुले में सोने) की समाप्ति; 10-वर्षीय योजना वर्ष के अंत तक; उन्होंने अपने कार्यकाल को ब्रिटेन के लिए 'सर्किट-ब्रेकर' कहा और क्षेत्रों को शक्ति-हस्तांतरण तथा रिफ़ॉर्म UK को रोकने का संकल्प दोहराया (Reuters)।

एंडी बर्नहैम कौन? 56 वर्षीय; गॉर्डन ब्राउन मंत्रिमंडल (2007-2010) में मंत्री; 2010 और 2015 में लेबर नेतृत्व के असफल दावेदार; 2017 से जून 2026 तक ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर रहे — 'किंग इन द नॉर्थ' की उपाधि; जनवरी 2026 में स्टार्मर-समर्थकों ने उनका संसद में प्रतिबंध रोका था, पर मेकरफ़ील्ड उपचुनाव ने मार्ग खोला; जुलाई 2026 में वे निर्विरोध नेता और फिर प्रधानमंत्री बने (Reuters); उनकी विचारधारा को 'मैनचेस्टरिज़्म' कहा जाता है — क्षेत्रों को अधिक शक्ति-हस्तांतरण और अधिक हस्तक्षेपकारी राज्य (The Guardian)।

बिना आम चुनाव प्रधानमंत्री कैसे बदलता है?

ब्रिटेन की अलिखित संविधानिक परंपरा में प्रधानमंत्री वह व्यक्ति है जो **हाउस ऑफ़ कॉमन्स का विश्वास** रखता हो। सत्तारूढ़ दल का नेता बदलने से प्रधानमंत्री बदल जाता है — नया नेता राजा के निमंत्रण पर सरकार बनाता है; आम चुनाव अनिवार्य नहीं। अगला आम चुनाव **अगस्त 2029** तक आहूत होना है (The Guardian)। विपक्ष में केवल फ़राज ने आम चुनाव की माँग की। भारतीय संदर्भ के लिए तुलना: अनुच्छेद 75(3) के अंतर्गत मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी है — मध्यावधि में प्रधानमंत्री-परिवर्तन भारत में भी संभव है, पर बहुमत-परीक्षण वहाँ भी निर्णायक है।

संख्या पढ़ने की सावधानी — दो अलग गिनतियाँ

Guardian लिखता है 'चार वर्षों में **पाँचवाँ** प्रधानमंत्री'; BBC लिखता है '2016 से **सातवाँ** प्रधानमंत्री' — दोनों सही हैं, आधार-अवधि अलग है। इसी तरह 'सबसे कम अवधि का लेबर प्रधानमंत्री' का दावा BBC का है; स्टार्मर का कार्यकाल (5 जुलाई 2024 से 20 जुलाई 2026 तक) सुनक और ट्रस से लंबा, पर पूर्व के सभी छह लेबर प्रधानमंत्रियों से छोटा रहा।

प्रतिक्रियाएँ

रिफ़ॉर्म UK नेता नाइजेल फ़राज ने आम चुनाव की माँग की; कंज़र्वेटिव नेता केमी बेडनॉक ने स्टार्मर को 'भयानक प्रधानमंत्री' कहा; लिबरल डेमोक्रेट नेता एड डेवी ने 'प्रधानमंत्रियों का चक्रदोला' बंद करने की बात कही; अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्टार्मर को 'बहुत अच्छे व्यक्ति' कहा, पर ईरान युद्ध और नॉर्थ सी ड्रिलिंग पर उनकी स्थिति की आलोचना की (BBC, 22 जून 2026)।

परीक्षा की दृष्टि से

प्रारंभिक परीक्षा (PT): तारीख़ें — 22 जून 2026 (इस्तीफ़े की घोषणा), 5 जुलाई 2024 (स्टार्मर का पद-ग्रहण), 17 जुलाई 2026 (बर्नहैम निर्विरोध लेबर नेता), 20 जुलाई 2026 (बर्नहैम प्रधानमंत्री), अगस्त 2029 (आम चुनाव की अंतिम सीमा); नाम — कीर स्टार्मर, एंडी बर्नहैम, जॉन हीली (चांसलर), एड मिलिबैंड (विदेश), शबाना महमूद (गृह), वेस स्ट्रीटिंग, नाइजेल फ़राज, राजा चार्ल्स III; मेकरफ़ील्ड उपचुनाव; 'हस्टिंग्स' और NEC की भूमिका।

मुख्य परीक्षा GS-2: संसदीय प्रणाली में अलिखित परंपराएँ और उनकी भूमिका; सत्तारूढ़ दल के आंतरिक लोकतंत्र का महत्व; भारत-ब्रिटेन संसदीय प्रणालियों की तुलना (दल-नेतृत्व परिवर्तन बनाम आम चुनाव); उपचुनावों का राजनीतिक संकेत-मूल्य।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

संसदीय प्रणाली में सत्तारूढ़ दल का नेतृत्व-परिवर्तन बिना आम चुनाव के प्रधानमंत्री बदल सकता है। ब्रिटेन के जून 2026 के प्रसंग में इस परंपरा के औचित्य और सीमाओं की समीक्षा कीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: स्टार्मर का इस्तीफ़ा और परंपरा का सार (कॉमन्स का विश्वास = पद)

मुख्य भाग में: औचित्य: सरकार की निरंतरता, दल-आंतरिक जवाबदेही, समय और लागत; सीमाएँ: 'जनादेश' का प्रश्न (फ़राज की आम-चुनाव माँग), बार-बार बदलाव से अस्थिरता (2016 से सातवाँ पीएम); भारतीय तुलना: अनुच्छेद 75(3) और मध्यावधि परिवर्तन

निष्कर्ष में: परंपरा उपयोगी, पर लोकप्रिय वैधमान्यता की पूर्ति चुनाव ही करता है।

स्रोत

- BBC News (प्रेस): Keir Starmer announces resignation as prime minister and Labour Party leader, 22 जून 2026
- The Guardian (प्रेस): Keir Starmer has quit as prime minister – what will happen next in UK politics?, 22 जून 2026
- AP News (प्रेस): Keir Starmer felled after losing support from his Labour Party, 22 जून 2026
- Reuters (प्रेस): Andy Burnham becomes British Labour leader; next stop — prime minister, 17 जुलाई 2026
- AP News (प्रेस): Andy Burnham declared leader of UK's Labour Party, 17 जुलाई 2026
- Reuters (प्रेस): Britain's new prime minister, Andy Burnham, vows to end years of instability, 20 जुलाई 2026

यह भी पढ़ें: बस्तियों से व्यापार पर रोक: ब्रिटेन की पहल और विधि।
याद रखें: ब्रिटेन में प्रधानमंत्री दल-नेतृत्व से बदलता है, आम चुनाव से नहीं — 22 जून 2026 की घोषणा, 17 जुलाई को निर्विरोध नेता-चुनाव, 20 जुलाई को बर्नहैम का पद-ग्रहण और अगस्त 2029 की अंतिम चुनाव-सीमा; यह घटना 'अलिखित परंपरा' और 'कॉमन्स के विश्वास' की सबसे ताज़ा परीक्षा-सामग्री है।